CLASS-9 हिंदी प्रश्न बैंक

202 -2

व्याकरण (SECTION-A)

निबंध लेखन

किसी भी तरह की पठित सामग्री भाव या विचार को सुनियोजित ढं

निबंध के प्रारूप को तीन भागों में बाँटा जा सकता है।

1.प्रारंभ- निबंध का प्रारंभ आकर्षक एवं विषय को स्पष्ट करने वाला हो। आरं
कविता की, किसी विशिष्ट पंक्ति से, संबंधित किसी महापुरुष के कथन या विष
चाहिए। आरंभ के शब्दों में पाठक को विषय से अवगत कराने की क्षमता होनी चाहि

2.मध्य- इसका सीधा संबंध निबंध के विषय से होता है। यह निबंध का
विस्तृत वर्णन होता है। विचारों को अनुच्छेदों में बाँटकर, विषय से संबंधित कथन, कविता की
पंक्तियाँ, कोई शिक्षाप्रद सूत्र, रामचरितमानस की चौपाइयाँ आदि सम्मिलित की
विषय का विस्तार होता है। विचारों एवं बात का क्रमबद्ध एवं तर्कसंगत वर्णन ह

3. अन्त- निबंध का अंत प्रभावशाली, संक्षिप्त एवं सारगर्भित होना चाहिए। संपूर्ण निब
कुछ वाक्यों में स्पष्ट होना चाहिए। निबंध का अंत संपूर्ण निबंध की

परीक्षा उपयोगी निबंध लेखन के कुछ विषय

1.हमारी धरती और बढ़ रहा ग्लोबल वार्मिंग
2.कंप्यूटर एवं मोबाइल फोन आज की आवश्यकता
3.आधुनिक युग में कम हो रहे पुराने संस्कार
4.बढ़ती गर्मी की वजह से विकराल जल संकट
5.देश में बढ़ता भ्रष्टाचार
6.आलस्य-मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु
7."जाको राखे साइयां मार सके ना कोय" इसी उक्ति के आधार पर एक कहानी लिखिए।
8.घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने का अनुभव अपने शब्दों में लिखें।
9.वृक्ष की आत्मकथा लिखें।
10.चित्र देखकर आपके मन में उठने वाले विचारों को कहानी के रूप में लिखें।
11.आपके स्कूल की तरफ से की गई ट्रैकिंग यात्रा का वर्णन कीजिए।
12.क्या ईश्वर है? विषय के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार उदाहरण सहित दीजि
13.रेलवे स्टेशन पर बिताई गई एक रात बताइए कि उस समय आप कहाँ जा
साथ कौन-कौन थे और आपका समय किस प्रकार व्यतीत हुआ
14.मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर- उक्ति के आधार पर लघुकथा/कहानी
लिखिए।
15.प्रातः भ्रमण से क्या लाभ हैं? आप प्रातः भ्रमण के लिए कहाँ जाते हैं
प्रातःकाल का दृश्य कैसा होता है
16.कल्पना कीजिए कि आप कौन बनेगा करोड़पति में 50000000 जीत गए हैं। उससे आपको
कोई तीन कार्य करने हैं। आप कौन कौन से कार्य करेंगे जिससे आप
प्राप्त हो सके।

पत्र लेखन (अनौपचारिक)

1.आपकी छोटी बहन पहली बार घर से दूर पाश्चात्य संगीत की शिक्षा के लिए विदेश जा रही है।वह परेशान और दुखी है।उसे समझाते हुए प्रोत्साहित कीजि

छात्रावास
दयालबाग शिक्षण संस्थान।
दिनांक-12.7.2019
प्रिय पिंकी
सस्नेह आशीर्वाद।
तुम्हारा पत्र प्राप्त हुआ। सुनकर प्रसन्नता हुई, तुम्हें विदेश जाने का अवसर प्राप्त हुआ है।
की आवश्यकता नहीं है।तुम्हें तो खुश होना चाहिए। 20 वर्ष की कम ... अपने ही लत
परिवार से दूर जा रही हो।कुछ बातें तुम्हें बताना है, मुझे भी पढ़ाई के लिए ... गकर
छात्रावास में रहना पड़ा था। परन्तु मेरे ... करने के लिए कुछ दिन का
पड़ेगा।तुम खुशी-खुशी जाओ और अपनी शिक्षा पूर्ण कर नाम कमाओ तथा हम सब
में ... तुम अपने लक्ष्य तक पहुंचो।माताजी को स्पर्श ... पिताजी को मेरा चरण
तुम्हारा अग्रज
अजय

पत्र लेखन (औपचारिक)

(2)आपकी बैंक पासबुक खो गई है। ... पत्र लिखकर पासबुक की दूसरी प्रति जारी करवाने का अनुरोध करें।

सेवा में
बैंक मैनेजर
इण्डियन बैंक
आगरा।
विषय: दूसरी पासबुक जारी करने हेतु पत्र।
महोदय
विनम्र निवेदन है कि आपके बैंक में मेरा खाता ... 012345 ... है। ... पासबुक खो
आपसे अनुरोध है कि ... दूसरी प्रति जारी करने का कष्ट करें।
धन्यवाद
भवदीय
तरुण कुमार
15,सरिता विहार,नई दिल्ली।
दिनांक 30-04-2019

अपठित गद्यांश

1.निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर

अपने आपको हर घड़ी और हर पल महान ... काम करते ... गौरव ... है।
कारनामों को ... अपनी ... में लिखते भी नहीं।दरख्त तो जमीन से रस ग्रहण
होता कि मुझमें कितने फल ... फूल ... अपने ... में रखना
अंदर कूट कूट कर भरना है और अंदर ही अंदर बढ़ना है।उसे इस
कितने फल लोगों को दिए
वीरता का विकास नाना प्रकार से होता है ... कभी ... के ... निकालना
गंवाना ... है।कभी प्रेम के मैदान में उनका झंडा गड़ा होता है।कभी
गूढ़ तत्व और सत्य की तलाश में बुद्ध जैसे राजा विरक्त होकर वीर हो

वीरता लहराती है। जब कभी भी इसका विकास हुआ, तब एक ... आया, ... पैदा हुआ
नई रौनक, एक नया रंग, एक नई लहर, नई प्रभुता संसार में छा गई। वीरता हमेशा नि...
वीरता का एक खास रंग है। वीरता की कभी नकल नहीं हो सकती। जै...
देश-काल के अनुसार संसार में एक नया भाव ... स्वरूप ... दर्शन करते ही सब ...
हो, कुछ बन न पड़ा और वीरता के आगे सिर झुका दिया।

1.वीरता किसे कहते हैं

उत्तर-अपने आप को हर समय महान बनाने का कार्य ना करते हुए जो वीर होते हैं। जो व्य...

2. वीर लोग अपने कारनामों को क्यों नहीं लिखते

उत्तर-जिस प्रकार एक वृक्ष पृथ्वी से जल ग्रहण करता रहता है, उसी और यह नहीं...
प्रकार वीर लोग भी होते हैं जो लोग फल की चिंता ना कर के कर्म में ...

3. वीरता का विकास किस प्रकार होता है

उत्तर-वीरता का विकास अनेक प्रकार से होता है, कभी लड़ने में, ... प्राण ...
मैदान में, साहित्य और संगीत में, गूढ़ तत्व और सत्य की खोज में आदि।

4.वीरता का विकास का क्या परिणाम होता है

उत्तर-वीरता के विकास में अनोखे कार्य होते हैं और प्रभुता ... संसार में ...
है। वीरता सदैव निराली व नई होती है।

5.लेखक के अनुसार वीरता के क्या लक्षण हैं

उत्तर-वीरता की कभी नकल नहीं हो सकती, ... प्रसन्नता कभी कोई उधार नहीं ले ...
प्रकट होती है।वीरता के दर्शन करते ही सब लोग आश्चर्य में पड़ जाते हैं और उसके सामने सिर झुका देते हैं।

व्यवहारिक हिंदी व्याकरण

सूचना अनुसार शब्दों में परिवर्तन करें।

1. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाएं।

आदमी-आदमियत, इंसान-इंसानियत, अतिथि-आतिथ्य, ईश्वर-ऐश्वर्य, चोर-चोरी, मनुष्य-मनुष्यता, ... शोषक-शोषण, बूढ़ा-बुढ़ापा, कारीगर-कारीगरी, प्रगति-..., सज्जन-सज्जनता, नारी-नारीत्व, पशु-पशुता, पंडित-पांडित्य, व्यक्ति-व्यक्तित्व, ..., राष्ट्र-राष्ट्रीयता, मित्र-मित्रता, शत्रु-शत्रुता, सेवक-सेवा, साधु-साधुता, लड़का-लड़कपन, चोर-चोरी, भाई-भाईचारा, ..., प्रभु-प्रभुता, देव-देवत्व, सती-सतीत्व, पुरुष-पुरुषत्व, बालक-..., बच्चा-बचपन, चिकित्सक-चिकित्सा, स्वामी-स्वामित्व

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम रूप लिखिए।

अनुज-अग्रज, आना-जाना, अंधकार-प्रकाश, अनुराग-विराग, अभिमान-नम्रता, आप-..., क्षमा-...
अमावस्या-पूर्णिमा, अल्पायु-दीर्घायु, ..., आग्रह-दुराग्रह, आदान-प्रदान, ..., अर्थ-...
अपराधी-निरपराध, आगामी-विगत, आलस्य-स्फूर्ति, आशा-निराशा, इच्छा-अनिच्छा, इहलोक-परलोक
उग्र-शांत, उदार-संकीर्ण, उत्तम-अधम, उत्थान-पतन, उत्कृष्ट-निकृष्ट, उन्नति-अवनति
उत्तर-दक्षिण, उद्यम-..., उपाय-..., उपस्थित-अनुपस्थित, उत्तीर्ण-अनुत्तीर्ण, ...
एड़ी-चोटी, ऐच्छिक-अनिवार्य

3. निम्नलिखित शब्दों के दो दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

1. अनिल-हवा, पवन
2. अमृत-सुधा, सोम, पीयूष
3. अग्नि-पावक, आग, अनल

4.अश्व- घोड़ा, हय, घोटक
5.असुर- दानव, राक्षस, दैत्य
6.अध्यापक- गुरु, शिक्षक, आचार्य
7-अंधकार- तम, तिमिर, अंधेरा
8-अतिथि- मेहमान, आगंतुक, अभ्यागत
9-अनुपम- अपूर्व, अतुल, अनोखा
10-अरण्य- वन, जंगल, विपिन
11-अहंकार- अभिमान, घमंड, गर्व
12-आभूषण- गहना, अलंकार, भूषण

4.निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखें।
1. जो कहा न जा सके- अकथनीय
2. जिसके पास कुछ भी न हो- अकिंचन
3. जिसका वर्णन न किया जा सके- अवर्णनीय
4. जो मांस खाता हो- मांसाहारी
5. जिसे शर्म न आती हो- निर्लज्ज
6. ग्रहण करने योग्य- ग्राह्य
7. पूजन करने योग्य- पूजनीय
8. जो प्रेम का पात्र हो- प्रिय
9. जो दूसरों की भलाई करता हो- परोपकारी
10. शरण में आया हुआ- शरणागत

5.निम्नलिखित शब्दों के विशेषण रूप लिखिए।
धर्म- धार्मिक, अर्थ- आर्थिक, समाज- सामाजिक, परिवार- पारिवारिक, नीति- नैतिक, राजनीति- राजनैतिक, इतिहास- ऐतिहासिक, दिन- दैनिक, अंक- अंकित, चिंता- चिंतित, जंगल- जंगली, शहर- शहरी, पूजा- पूज्य, ईर्ष्या- ईर्ष्यालु, ि कलु ि ध
ि व ि ध,घू र्कद ु कका ,त िद-मीर स,रि म-ि दां ,पदू कजा ू ,जक ृ -सु ,त रकेरते ,त सी लखो ,भक ग-भा ग ो ,ड़ा
घू मघुमक्कड़, टालू ,टबे ार कारा ह,री-चीन चीनी,आगे ,अगला ऊपर,ऊपरी हवा,हवाई सहायता,सहायक महीना,मासिक

6.निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए।
अचरज- आश्चर्य, आठ- अष्ट, आँख- अक्षि, आग- अग्नि, ग ृ , जीभ- जिह्वा, दही- दधि, आँसू- अश्रु, कछुआ- कच्छप, कान- कर्ण,
किवाड़- कपाट, कौआ- काक, कोयल- कोकिल, बालू- बालुका, अमृत- अमिय, घी- घृत, धुआँ- धूम

7.सूचना अनुसार वाक्य परिवर्तन करें।

क. वह गन्ना बहुत मीठा है। (मिठास का प्रयोग करें)
उत्तर: उस गन्ने में बहुत मिठास है।

ख. अध्यापक बच्चों को पढ़ाएगा। (वर्तमान काल में बदलिए)
उत्तर: अध्यापक बच्चों को पढ़ाता है।

ग. रोगी सो नहीं पाया। (भाव वाच्य में बदलिए)
उत्तर: रोगी से सोया नहीं गया।

घ. इतनी आयु होने पर भी वह विवाहित नहीं है। (वाक्य का अर्थ ना बदलें
उत्तर: इतनी आयु होने पर भी वह अविवाहित है।

ङ. उसकी पत्नी अपनी सास से नहीं बोलती। (लिंग बदलकर लिखिए)
उत्तर: उसका पति अपने ससुर से नहीं बोलता।

च. उस लड़की ने आज एक पुस्तक पढ़ी। (वचन बदलिए)
उत्तर: उन लड़कियों ने आज अनेक पुस्तकें पढ़ीं।

छ. मैंने दिल्ली जाना है। (शुद्ध कीजिए)
उत्तर: मुझे दिल्ली जाना है।

ज. "अंधे की लकड़ी" मुहावरे को अपने वाक्य में प्रयोग करो।
उत्तर: श्रवण कुमार अपने माता पिता की अंधे की लकड़ी था।

झ. जैसी करनी वैसी भरनी लोकोक्ति के आधार पर एक वाक्य लिखें
उत्तर: नौकर अपने मालिक के घर से ही चोरी करता पकड़ा गया। मालि
वैसी भरनी।

साहित्य सागर गद्य भाग

LESSON-1(BAAT ATTHANNI KI)

(प्रश्न1) "रसीला ने तुरंत अपना अपराध स्वीकार कर लिया। अगर वह इनकार करता तो कह सकता था कि यह साज़िश है....."

(क) रसीला कौन था? उसका परिचय दीजिए।
उत्तर: रसीला बाबू जगत सिंह के यहाँ एक नौकर था। उसकी आर्थिक अवस्था बड़ी ही दयनीय और
क्योंकि उसका वेतन बहुत कम था। उसके परिवार में उसकी पत्नी, एक लड़का और लड़की थी। परिवार का भार
उसी के कंधों पर था। वह अपनी जिम्मेदारियों का एहसास करते हुए अपना काम पूरी
काम बड़ी ईमानदारी से करता था और वह सच्चाई से सब कुछ करता था। उसका एक मित्र भी था जिसका नाम रम

(ख) रसीला का क्या अपराध था? स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: रसीला इंजीनियर बाबू जगत सिंह के घर पर कई वर्षों से नौकर था। उसे
बहुत ही कम वेतन मिलता था। घर में बच्चे बीमार थे। उनके लिए उसे अधिक रुपयों की
की बहुत आवश्यकता थी। ऐसे समय में उसकी सहायता उसके मित्र रमजान ने की।
धीरे-धीरे वापस भी करने थे। इसलिए उसने कर्ज को उतारने के लिए मालिक से पाँच रुपये की रिश्वत ली
की थी और यही उसका अपराध बन गया जिसके कारण उसे छह महीने की सज़ा सुनाई गई।

(ग) 'तुरंत अपराध स्वीकार करने' से आप क्या समझते हैं? रसीला ने ऐसा क्यों किया? लिखिए।
उत्तर: 'तुरंत अपराध स्वीकार करने' का तात्पर्य है तुरंत अपनी गलती स्वीकार करना। रसीला ने
अपनी गलती स्वीकार ली थी। उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह जानता था कि वह किसी को धोखा नहीं दे सकता।
उससे ऐसा हो गया था। इसलिए उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसे यह भी पता था कि उस
स्वीकार न करने से उसे और भी मार पड़ेगी और उसे जेल भेज दिया

(घ) कहानी को ध्यान में रखते हुए अपने विचार लिखिए कि हमें अपने
उत्तर- 'बात अठन्नी की' कहानी घर के नौकरों तथा कर्मचारियों की स्वार्थी प्रवृत्ति को द
माध्यम से हमें यह सीख मिलती है कि हमें अपने घर के नौकरों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए तथा
उनकी भावनाओं की कद्र करनी चाहिए। उनकी आर्थिक परेशानियों को समझना चाहिए। जिस
प्रकार इस कहानी में रसीला अपने मालिक से वेतन वृद्धि की प्रार्थना
लेकिन उसके मालिक को इस बात की कोई परवाह नहीं थी। जब रसीला अपने
मालिक के प्रति इतना वफादार था तो मालिक का भी कर्तव्य बनता था कि व

की हेराफेरी की थी तो रसीला को उसके लिए सजा देने के स्थान
उसे माफ|कर देता

Extra questions(Lesson 1-बात अठन्नी की

Q-1) 'बात अठन्नी की' कहानी का उद्देश्य अपने शब्दों में लिखें ।
(उत्तर) इस कहानी में लेखक सुदर्शन ने समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार और रिश्वत को और अपने मालिक
भावना के गुणों को बताया है ।वे अधिक से अधिक काम लेकर अपने नौकरों को कम पैसे देकर
पर दया करने में कृपणता दिखाते हैं और उनकी छोटी सी भूल को
नौकर की अठन्नी की बेईमानी को भी क्षमा नहीं करते और रसीला ने तो
रसीला की पैसे से भी मदद कर देता-" है ।अंत में मालिक को अपनी गलती का एहसास होता है और वह स्वयं को
नरम गद्दों पर अठन्नी की चोरी के लिए बेचैन रहता है और उस रात वह करवटें बदलते हुए बेचैनी में पछताता रहा था ।

Q-2) शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिये ।
उत्तर इस कहानी में शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट ही है कि यह कहानी अठन्नी
नौकर को जिला मजिस्ट्रेट शेख सलीमुद्दीन के चौकीदार रमज़ान ने
मदद हो सके । कुछ समय में उसने कुछ रुपए लौटा दिए लेकिन अठन्नी बाकी
इंजीनियर बाबू ने रसीला से पांच रुपए की मिठाई मंगाई तो उ
अठन्नी से अपना कर्ज चुका दिया ।इस अठन्नी की चोरी के लिए उसको
में अठन्नी को इस तरह से दर्शाया गया है जैसे वह अठन्नी एक
की और रसीला को छ: महीने की जेल हो गई या- छोटी सी गलती को
बड़ा गुनाह बना दिया जो खुद गुनाह करते थे उसके लिए कोई सजा नहीं मि

Q-3) रसीला का चरित्र चित्रण कीजिए ।
उत्तर रसीला एक गरीब श्रेणी का नौकर था और कामकाजी था और हमेशा
करता था परिवार का बोझ उसी के कंधों पर था वह इसी कारण
था वह बड़ा ही जिम्मेदार था । उसने अपने मित्र का सारा पैसा चुका
अठन्नी की चोरी की क्योंकि उसको अपने मित्र को अठन्नी वापस करनी थी ।

Q-4) रसीला को सजा दिलवाने के लिए उसके मालिक ने क्या किया
उत्तर रसीला को सजा दिलवाने के लिए उसके मालिक ने पहले तो उस
पास ले जाएगा जहां से उसने मिठाई खरीदी थी । जब वह मिन्नतें
हवलदार को पांच रुपए दे दिए ताकि वह उसे मारपीट कर मनवा ले । ए
रिश्वत दी और जेल में भिजवा दिया ।

Q-5) रमज़ान की आंखों में ? खून क्यों उतर आया
उत्तर अपने मालिक शेख सलीमुद्दीन का फैसला सुनकर रमज़ान की आंखों
कि एक अठन्नी के लिए उसके मित्र रसीला को इस तरह की छ: महीने
शेख सलीमुद्दीन और बाबू जगतसिंह दोनों ही रिश्वतखोर थे ।वे लो
नहीं लेते थे लेकिन अंत में रसीला को कैद हो ही गई।

LESSON -2 (काकी)

(प्रश्न2) "उस दिन बड़े सवेरे श्यामू की नींद खुली| तो देखा कि घर भ
(क) घर में कोहराम क्यों मचा था? श्यामू को क्या लगा।
उत्तर श्यामू की मां का देहांत हो गया था घर में कोहराम मचा हुआ था कि उसकी मां स
ओढ़े हुए जमीन पर पड़ी है । उसके लिए यह साधारण सी बात थी परंतु वह

घर में क्यों थी।

(ख) काकी को ले जाते समय श्यामू ने क्या उपद्रव मचाया
उत्तर-लोग जब उमा अर्थात श्यामू की मां को उठाकर ले जाने लगे जब
वह उमा के ऊपर जा गिरा और बोला काकी सो रही है तो उसे कहा
उसने उनको बहुत रोकने की कोशिश की उसमें वह असफल रहा।

(ग) काकी के बारे में क्या सच उससे छिपाया गया
उत्तर-काकी के बारे में बुद्धिमान लोगों ने उसे विश्वास दिलाया कि उ
अधिक दिनों तक छिपा न रह सका। आस पास के लड़कों से पता चल गया कि काकी
गया है और वह राम के पास चली गई है।

(घ) मां के देहांत की खबर सुनने के पश्चात श्यामू का क्या हुआ
उत्तर-कई दिन लगातार रोते रोते उसका रोना धीरे-धीरे शांत हो गया पर उसके हृदय में शोक
चुपचाप बैठा आकाश की ओर ताका करता कि शायद उसकी काकी कहीं
कि उसकी काकी राम के यहां कहां चली गई है।

Extra questions Lesson 2-काकी

Q-1)'काकी' विषय में शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।
उत्तर-इस कहानी 'काकी' का शीर्षक कहानी के अनुरूप ही रखा गया है क्योंकि पूरी क
घूमती है। श्यामू जो इस कहानी का मुख्य पात्र है, अपनी मां को बहुत प्यार करता है और उसे 'काकी' कहता है। इसी
प्रकार उसकी 'काकी' का कहानी में बहुत महत्व है। काकी की मृत्यु पर श्यामू बड़ा
काकी को कहां ले जाया गया। कुछ दिनों के बाद उसे पता चला कि काकी राम
के यहां चली गई है। अपनी बाल बुद्धि के अनुसार उसने एक रस्सी और पतंग से काकी को नीचे
उतारेगा। यहां उसकी मातृ प्रेम की पराकाष्ठा है।

Q-2) श्यामू ने अच्छी-अच्छी दो रस्सियां क्यों मंगवाई
उत्तर-अपनी काकी को राम के यहां से नीचे उतारने के लिए श्यामू
लिए उसने भोला जी से पतंग और डोर, जो श्यामू से कुछ बड़ा था
था, उसने सुझाव दिया कि डोर के टूट जाने का डर होता है इसलिए
को सुनकर श्यामू रात भर सोचता रहा और बाद में कहीं से पैसे लेकर
रस्सियां मंगा दीं।

Q-3)'काकी' विषय के आधार पर बाल मनोविज्ञान का विश्लेषण कीजिए।
उत्तर-बच्चे बहुत भोले-भाले और नासमझ होते हैं। वे किसी भी बात से बहुत
ही किसी बात को लेकर चिंतित भी हो जाते हैं। वह बात की गहराई
पतंग देखता है तो बहुत तरह की कल्पनाएं करता है और सोचता है कि अब व
काकी लिखवाएगा। उसको आसमान में पतंग छोड़कर उसकी मां को नीचे उसके पास
डोर की बात करता है तो वह सोच में पड़ जाता है और उसे भी ल
से गिर जाएगी और घायल हो जाएगी और सोचता है कि मोटी और डोर
श्यामू दोनों नहीं सोच पाए कि रस्सी से पतंग उड़ेगी ही नहीं। दू
अपनी बाल सुलभ प्रवृत्ति के कारण पैसे के लिए चिंतित हो जाता
वाली तरकीब से पिता के कोट की जेब से एक रुपए निकाल लेता है।

LESSON -3(महायज्ञ का) पुरस्कार

(प्रश्न3) "सामने वृक्षों का एक कुंज और कुआं देखकर सेठ जी ने विच
विश्राम कर लेना चाहिए।"

(क) वृक्षों का एक कुंज और क्या किया और उन्होंने थोड़ी दूर पर क्या देखा? ने

उत्तर- वृक्षों की छाया और कुआं देखकर सेठ जी ने विचार किया कि
लोटा डोर निकाल कर उन्होंने पानी खींचा और हाथ पैर धोए। उसके
और खाने के लिए रोटियां निकाल ली। उन्होंने देखा कि थोड़ी
मरणासन्न है।

(ख) सेठ ने भूखे कुत्ते के साथ क्या उपकार किया?

उत्तर-सेठ को उस भूखे कुत्ते पर दया आई और उन्होंने एक रोटी उसके
में कुछ जान आई। सेठ ने सोचा कि एक और रोटी अगर उसे खिला
में कृतज्ञता को देखकर सेठ ने तीसरी रोटी भी उस कुत्ते को खिला
ही काम चला लिया।

(ग) चौथी रोटी खिलाते समय सेठ ने क्या सोचा?

उत्तर-चौथी रोटी खिलाते समय सेठ जी ने सोचा कि मुझसे अधिक इस
पानी पीकर भी चला लूंगा। इस बेचारे तो मूक और बेबस जीव हैं इसको
जाएगी कि किसी बस्ती तक यह पहुंच सकेगा और अपना जीवन फिर से

(घ) सेठ अपने गंतव्य स्थल पर कब पहुंचे? उनकी किससे और क्या बातें हुई

उत्तर-दीया जले सेठ कुंदनपुर पहुंच गए। सेठ ... और उनके आने
पूछा। सेठ ने कहा कि वह संकट में है अतः अपना एक यज्ञ बेचना
महायज्ञ खरीदने, यज्ञ को नहीं। महायज्ञ का नाम सुनकर सेठ हैरान ... महायज्ञ किया हुआ
ही नहीं था।

Extra questions(Lesson 3-महायज्ञ का) पुरस्कार

प्रश्न1-महायज्ञ का पुरस्कार कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- इस कहानी में लेखक ने यह बताने का प्रयास किया है कि किसी
भी प्रकार के उपकार अथवा पुण्य के लिए किया गया कार्य बेकार, धर्म नहीं रह जाता।
और अत्यंत विनम्र। सेठ ने अनेक यज्ञ किए थे और दुखियों में धन बांटा था
सेठ के यहां गरीबी आ गई थी। उन्होंने यज्ञ भी अपने यज्ञ बेचने के
तैयार हो गए। सेठानी ने रास्ते के लिए चार रोटियां कपड़े में
चारों रोटियाँ उसे खिला दीं। कुंदनपुर पहुंचकर वह धन्ना सेठ के पास पहुंचे
बेचने आए सेठ ने कुत्ते को रोटियाँ खिलाने को महायज्ञ नहीं
उन्हें एक बड़ा खजाना मिला जो उनके द्वारा किए गए महायज्ञ का पुर

प्रश्न2-'महयज्ञ का पुरस्कार' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- इस कहानी का शीर्षक महायज्ञ का पुरस्कार यथोचित है। सेठ द्वारा
एक बड़ा यज्ञ बन गया था। खुद भूखे रहकर एक भूखे कुत्ते की
बड़ा पुण्य बन गया। कुंदनपुर की सेठानी ने इसी महायज्ञ को खरीद
विचार में किसी भूखे को खाना-खिलाना कोई महायज्ञ नहीं था
मिल गया जो भगवान के द्वारा उनको दिया गया उस महायज्ञ का पुरस्कार

प्रश्न3-दीया जलाते समय क्या घटना घटी?

उत्तर- रात का अंधकार फैलता जा रहा था। सेठानी उठकर दिया जलाने

लगी। संभल कर दिया जला कर हलीम ज़ीचके कीसहओर दिए एक बाप थिक ऊं-बीच हपेक गया
लोहे का कुंदा लगा था। उसे जब उठाया -जगया यहरतातो एक मताह खार नहो थिमला

Lesson-4 (NETAJI KA CHASHMA)

निम्नलिखित अवतरणों को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न1-"हालदार साहब को हर पन्द्रहवें दिन कंपनी के काम के सिलसिले
(क) हालदार साहब जिस कस्बे से गुजरते थे वह कैसा था? उसका
कस्बे से हालदार साहब गुजरते थे वह बहुत बड़ा नहीं था जिसे पक्का मकान कहा जा सके
बाज़ार कहा जा सके वैसा एक ही बाज़ार था। कस्बे में एक लड़कों का स्कूल, सीमेंट का
छोटा सा कारखाना, दो ओपन एयर सिनेमाघर और एक नगरपालिका भी थी जो कुछ करती रहती

(ख) मुख्य बाजार के मुख्य चौराहे पर किसकी प्रतिमा लगी थी? प्रतिमा किसने क्यों लगाई दी होगी आई हो
उत्तर: शहर के मुख्य बाज़ार के मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाष चंद्र ब
देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी ना होने पर या उपलब्ध बजट से ज्यादा खर्च
समाप्त होने की घड़ियों में किसी स्थानीय कलाकार को ही मौका दि
किया गया होगा।

(ग) मूर्ति कैसी थी? और किसने बनाई थी
उत्तर: नेताजी की मूर्ति संगमरमर की थी। टोपी की नोक से कोट के
वर्दी में सुंदर लग रहे थे। मूर्ति को देखते ही नेताजी के "दिल्ली चलो" और "तुम मुझे खून दो" याद आते
दूंगा"। कस्बे के हाई स्कूल के इकलौते ड्राइंग मास्टर मोतीलाल ने बना

(घ) मूर्ति में क्या कमी थी
उत्तर: मूर्ति में एक कमी रह गई थी कि बस नेताजी की आंखों पर चश्म

EXTRA QUESTIONS LESSON 4

1. कैप्टन चश्मे वाला नेताजी की मूर्ति के चश्मे में उलट फेर क्यों
उत्तर: पान वाले की बातों के आधार पर मालूम हुआ कि चश्मे वाला अप
नेताजी की मूर्ति पर लगा देता था। जब उसके किसी ग्राहक को ने
फ्रेम उतारकर दे देता और नेताजी की मूर्ति को दूसरा चश्मा पहना देता। श
मूर्ति भाती नहीं थी।

2. जब हालदार साहब को मालूम पड़ा कि मूर्ति पर चश्मा क्यों नहीं
उत्तर: जब हालदार साहब को मालूम पड़ा कि मूर्ति पर कोई चश्मा नहीं होगा तो अगली
अगली बार वह उस कस्बे के चौराहे से गुजरेंगे तो नहीं रुकेंगे
होगी पर उनकी आँखों पर चश्मा नहीं होगा। वह और मूर्ति की ओर सिर उठाकर देखेंगे भी नहीं
सच्चाई मालूम पड़ गई थी कि उनकी मूर्ति पर चश्मा ना होने का क्या

3. शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

उत्तर: कहानी के शीर्षक से ही यह बात साफ़ हो जाती है कि कहानी किस के ऊपर आधारित है। हाँ
है, कहानी नेताजी के चश्मे के आसपास ही घूमती रहती है, कभी चश्मा। कभी नेताजी की मूर्ति
तीसरा चश्मा होना। चश्मा पहनाने का काम एक चश्मेवाला कैप्टन करता है जो
है। उसकी मृत्यु के बाद यह चश्मे बदलने का सिलसिला बंद हो गया
बाद किसी समझदार व्यक्ति या बच्चे ने नेताजी की मूर्ति के ऊपर
रोचक है और चश्मा बदलने के आधार पर रोचक बनी है। इसलिए शीर्षक पूरी

Lesson-5 (APNA APNA BHAGYA)

निम्नलिखित अवतरणों को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न1-"पास की चुंगी की लालटेन के छोटे से प्रकाश वृत में देखा कि

(क) बालक कहाँ से आया था और क्यों

उत्तर: बालक नैनीताल से पंद्रह कोस दूर एक गाँव से भाग कर आया था
भूखा रहता था और मारता था। माँ भी भूखी रहती थी और रोती रह
रोज़ी रोटी कमाने के लिए नैनीताल भाग आया।

(ख) लेखक और उसके मित्र उस पहाड़ी बालक को किसके पास ले गए औ

उत्तर: लेखक और उसके मित्र उस पहाड़ी बालक को अपने एक वकील मित्र के
जरूरत थी। ये लोग चाहते थे कि उस लड़के को काम मिल जाए।

(ग) उनके वकील मित्र ने उन दोनों की बात क्यों नहीं मानी

उत्तर: वकील मित्र ने लेखक और उसके मित्र की बात नहीं मानी क्योंकि
हैं। बच्चों में अवगुण छिपे रहते हैं। ये लोग घर से चोरी करके भाग
नौकर नहीं रखा।

(घ) पहाड़ी बालक की मौत का कारण क्या था

उत्तर: भूखे पेट रहना और भीषण ठंड में एक पेड़ के नीचे सोना मौत का कारण
था।

EXTRA QUESTIONS LESSON 5

1. इस कहानी को लेखक ने किस उद्देश्य से लिखा है?

उत्तर: जैनेंद्र कुमार ने अपना अपना भाग्य कहानी के माध्यम से मानव को उसकी
बताया है और इस बात पर ज़ोर दिया है कि
मनुष्य भाग्य के लिखे को न मिटा सकता है और ना ही आपत्तियों को

2. लड़का कौन था? उसके पास कौन सा उपहार किसने छोड़ा था

उत्तर: लड़का एक निर्धन पहाड़ी लड़का था। उसके घर में
अतः भूखे रहकर उन्हें अपना गुज़ारा करना पड़ता था इसलिए वह गाँ
किंतु दस वर्ष की अवस्था में ही निष्ठुर काल से
कुचैली कमीज़ और चीथड़े ही शेष रह गई थी। मैली कुचैली कमी

लिए उपहार थे।

3.अंत में बालक का क्या हुआ? प्रकृति ने उसके लिए क्या प्रबंध किया?
उत्तर: अंत में वह लड़का भूख और ठंड की वजह से अपने प्राणों को खो दिया और जीवन का दुख सहता वर्ष समाप्त
उस गरीब लड़के के शव को हल्की सी बर्फ़ की चादर से ढक दिया था
नंगे शव को दुनिया की बेहयाई से छिपाने के लिए दिया था।

Lesson-6(BADE GHAR KI BETI)

निम्नलिखित अवतरणों को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
प्रश्न1-"जिस तरह सूखी लकड़ी जल्दी से जल उठती है उसी तरह क्षुधा से बावला मनुष्य ज़रा ज़रा सी बात पर तुनक
जाता है।लाल बिहारी को भावज की यह ढिठाई बहुत बुरी मालूम

(क) लाल बिहारी कौन था? उसे अपनी भावज की कौन सी बात बुरी लगी?
उत्तर: लाल बिहारी बेनीमाधव सिंह का छोटा बेटा और श्रीकंठ का भा
कर लाया और भावज से उन्हें पकाने को कहा।भावज ने घर में जो पा
खाना खाने बैठा तो दाल में घी न था। पूछने पर भावज ने सब बता दिया कि घी का
बहुत बुरी लगी कि उसे फ़िक्र ही नहीं, उल्टा यह कह रही है मानो एहसान जता रही थी और अपने
रही थी।

(ख) भावज की बात सुनकर उसने उस पर क्या व्यंग्य किया? **उत्तर:** भावज की
बात सुनकर लाल बिहारी ने यह व्यंग्य किया कि उसके मायके में तो

(ग) भावज की कौन सी बात उसके दिल पर तीर की तरह लगी और उसने क्या उ
उत्तर: भावज के मुंह से मायके की बड़ाई और रसूख, कि लाल बिहारी के तन में आग लग गई और
हो गई।भावज को खुद से जुबान लड़ाता देखकर थाली पटकता वह
भावज ने उत्तर दिया कि अगर ऐसे मेरे पति होते तो उसको मज़ा चखा देते।

(घ) लाल बिहारी ने अपना गुस्सा किस प्रकार प्रकट किया?
उत्तर: लाल बिहारी ने भावज को खड़ाऊँ दे मारी और यह कहकर आक्रोश
निपट लेगा।

EXTRA QUESTIONS LESSON 6

1.आनंदी कौन थी? ठाकुर साहब उसे क्यों चाहते थे?
उत्तर: आनंदी भूप सिंह की चौथी लड़की थी।भूपसिंह उसे बहुत चाहते
थी।

2.अंत में दोनों भाइयों का मेल किसने कराया?
उत्तर: अंत में श्रीकंठ और लाल बिहारी का मेल आनंदी ने कराया। उसे लाल बिहारी का श्रीकंठ से घर

रोक लिया और एक अच्छी नारी होने का फ़र्ज़ निभाया।

3.बेनीमाधव सिंह ने आनंदी को बड़े घर की बेटी क्यों कहा
उत्तर: बेनीमाधव सिंह ने आनंदी को बड़े घर की बेटी इसलिए कहा क्
भाइयों को एक छोटी सी बात के लिए अपने दिल को ठोस कर एक

साहित्य सागर पद्य भाग

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए

LESSON-1(SAKHI)

प्रश्न1- "जब मैं था तब हरि नहीं अब हरि हैं मैं नाही
प्रेम गली अति सांकरी, तामें दो न समाही "

(क) उपर्युक्त साखी में कवि ने 'मैं' शब्द का प्रयोग किनके लिए किया है
उत्तर: 'मैं' का प्रयोग कवि ने अहं अर्थात अहंकार के लिए किया है और "हरि" शब्द का प्रयोग ईश्वर के लिए अर्थात परमात्मा राम है जिनकी तुलना अतुलनीय है

(ख) 'जब मैं था तब हरि नहीं' से कबीर का क्या आशय है
उत्तर: कबीरदास जी कहते हैं कि जब तक मेरे मन में अहं की भावना
के दर्शन नहीं हुए उन्हीं लोगों से प्रेम करते हैं ...
मनुष्य अपने घमंड में इतना फूला फूला रहता है तात्पर्य कि वह ईश्वर के ज
अहंकार है वहां ईश्वर का वास हो ही नहीं सक

(ग) 'अब हरि हैं' से कवि का क्या तात्पर्य है अनुभव को अपने शब्दों में लिखिए
उत्तर: 'अब हरि हैं' से कबीर दास जी का तात्पर्य यह है कि अब उनके मन में
भावना निकल गई और उनका मन निर्मल पवित्र हो गया तब उन्हें ईश्वर की उपस्थ
लगा और उनके मन से अहं भाव के लुप्त हो जाने पर उनके मन में

(घ) 'प्रेम गली अति सांकरी' से कवि ने क्या स्पष्ट करना चाहा है
उत्तर: इस पंक्ति के माध्यम से कवि स्पष्ट करना चाहते हैं कि प्रेम का मार्ग अत्यंत संकरा है
अभिमान जैसी दुर्भावना के लिए कोई जगह नहीं है ... ईश्वर और अहं एक सा
की प्राप्ति तभी होगी जब मानव अहंकार को ... एक साथ न

EXTRA QUESTIONS. LESSON 1(SAKHI)

(1) कबीर दास जी ने गुरु और गोविंद में से किसे ज्यादा महत्व दिया
उत्तर: कवि कहते हैं कि गुरु और भगवान दोनों जब उनके सामने खड़े होते हैं ... कु
समय पश्चात वे समझ पाते हैं और निर्णय लेते हैं कबीर दास जी के अनुसार गुरु
हमारे अज्ञान को मिटाकर ज्ञान का प्रकाश देते हैं जिससे हम भगवा
महत्व देते हैं।

(2) कवि को मुसलमानों की कौन सी पूजा पद्धति पसंद नहीं है और
उत्तर: कबीर दास जी के अनुसार मुसलमानों के मौलवी मस्जिद पर चढ़क

कबीर के अनुसार अज़ान का अर्थ खुदा को बुलाना होता है। उन्हें ऐसा लगता है कि मुल्ला जोर जोर से चिल्लाकर खुदा को पुकारते हैं
तरीका पसंद नहीं है। उनका कहना है कि अज़ान मस्जिद पर चढ़कर क्यों खुदा को चिल्लाकर पुकारते हैं क्या
हमारे मन की शांत पुकार को ना सुन सकें। खुदा तो हमारे मन
आवश्यकता नहीं है। अगर हम उन्हें मन में भी पुकारें तो वह सुन सकते

(3)कवि हिंदुओं की मूर्ति पूजा पर अपने क्या विचार रखते हैं?

उत्तरकवि हिंदुओं की मूर्ति पूजा को भी एक बाहरी आडंबर बताते
मिलता। कवि को मूर्ति पूजा से चक्की की पूजा करना अधिक उपयोगी लगता है
पीसने के लिए किया जाता है। पिसे हुए अनाज से रोटी बनती है
मूर्ति से अच्छी भली तो चक्की है जिससे सब लोग पीसकर खाते हैं। मूर्ति की पू

LESSON-2(GIRIDHAR KI KUNDALIYAN)

प्रश्न2- " साईं सब संसार में, मतलब का व्यवहार
जब लग पैसा गांठ में, तब लग ताको यार
तब लग ताको यार, यार संग ही संग डोले
पैसा रहे न पास, यार मुख से नहीं बोले
कह 'गिरधर कविराय' जगत यही लेखा भाई
करत बेगरजी प्रीति यार बिरला कोई साईं।। "

(क) कवि का नाम बताते हुए लिखिए कि मतलब का व्यवहार का क्या तात्पर्य है?

उत्तर-प्रस्तुत कुंडलियों के कवि का नाम गिरिधर कविराय है। कवि कहते हैं कि लोग के
मित्रता करते हैं तथा अपना स्वार्थ सिद्ध हो जाने पर मित्रता तोड़ देते हैं। ऐसे व्यवहार को कवि मतलब
का व्यवहार कहते हैं।
कवि ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि कवि ने संसार में अपने जीवन काल में ऐसा अनुभव किया होगा
किया है

(ख) कवि के अनुसार लोग किसे मित्र बनाना चाहते हैं और क्यों?

उत्तरकवि के अनुसार इस संसार में अधिकतर लोग धनवान व्यक्तियों से मित्रता करना चाहते हैं क्योंकि उनको
कोई लाभ नहीं होता। लोग सोचते हैं कि धनी व्यक्ति से मित्रता करने पर उन्हें हर तरह से लाभ
धनी व्यक्तियों से ही मित्रता करते हैं। वह निर्धन लोगों से मित्रता नहीं करना चाहते क्योंकि उनसे कोई लाभ नहीं होगा

(ग)'जगत यही लेखा भाई' पंक्ति से कवि का क्या आशय है? समझाकर लिखिए

उत्तरइस पंक्ति के द्वारा कवि कहना चाहते हैं कि इस संसार में यही सच्चाई है। यह संसार स्वार्थी
रहा है कि लोग अपने स्वार्थ पूरा करने के लिए ही मित्रता करते हैं। धनी लोगों के बहुत से मित्र बन
जाते हैं पर निर्धन लोगों के कोई मित्र नहीं बनते। इस संसार में सब अपने स्वार्थ पूरा करने के
लिए मित्रता का ढोंग करते हैं। निःस्वार्थ मित्रता दिखाने वाले लोग इस संसार में

(घ)इन पंक्तियों में निहित संदेश को अपने शब्दों में लिखिए

उत्तर-इन पंक्तियों में छिपा हुआ संदेश यह है कि हमें संसार में सच्चा मित्र बहुत कम ही मिलते हैं। यह संसार स्वार्थपूर्ण है।
मतलब एवं स्वार्थ पूरा करने के लिए लोग दूसरों से मित्रता करते हैं। अपना काम निकालने के लिए वे मित्रता
का हाथ बढ़ाते हैं और स्वार्थ सिद्ध हो जाने पर मुंह मोड़ लेते हैं
हमें ऐसे स्वार्थपूर्ण रिश्तों की पहचान करनी चाहिए और किसी की भी मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहना
चाहिए। साथ ही हमें यह भी समझना चाहिए कि मित्रता एक बहुत ही पवित्र और
महान रिश्ता है। कृष्ण और सुदामा की मैत्री का प्रसंग पढ़कर हमें सच्ची मित्रता

EXTRA QUESTIONS. LESSON 2(GIRIDHAR KI KUNDALIYAN)

(प्रश्न1)कवि सब हथियार छोड़कर लाठी ?अपने नेंक्यों चाबरा तव्यक्ययों की किजरए।र हे हैं
उत्तरकवि सब हथियार छोड़कर लाठी लेने की बात इसलिए कर रहे हैं एकहथियार है बल्कि अन्य अनेक व्यवधानों को दूर करने,तलवारों भीआदिसहायक केवल आत्मरक्षा के लिए ही काम आ सकते हैं।इस प्रकार यात्रा के समय वस्तु है।

(प्रश्न2)कमरी के-कौनकौन से गुण कवि उने बताए? हैं
उत्तरकमरी अर्थात कंबल दिखने में साधारण और सस्ता होता है परंतु बहुत काम आता है।व्यक्ति की इज़्ज़त बनाए रखता है। कीमती वस्तुओं को सामानकरबांलेध जाया जा सकता है।रात को कहीं बिछाकर सो भी सकत ही उपयोगी होता है।

(प्रश्न3)कौवे तथा कोयल का उदाहरण देकर कवि क्या समझाना चाहते हैं
उत्तरकौवे तथा कोयल के उदाहरण द्वारा संसारकवि में यह व्यक्ति,बिना कारण गुणों से तेके न हीं कारण प्रिय होते हैं और सम्मान पाते हैं।कोयल तथा कौवा दोनों दे मधुर वाणी के कारण सबको अच्छी लगती है।इसके विपरीत कौवे की तथा उसे उड़ा देते हैं।

LESSON 3(SWARG BANA SAKTE HAIN)

(प्रश्न3) "उसे भूल वह फंसा परस्पर ही शंका में भय में
लगा हुआ केवल अपने में|| और भोग संचय में "

(क) उसे भूल से?कौक्या तिसपर्य भूल है गया है और क्यों
उत्तर-'उसे 'भूलसे कवि का तात्पर्य है कि आज मानव इस ,बात को भूल गया संतोषप्रद जीवन ही बिताने में विश्व बंधुत्व की सद्भावना को भूलता जा रहा है आज का मानव इन सब बातों को भूल स्वार्थ, लालच में आ गया है होकर केवल अकेले ही सभी सुखों का उपभोग करने की कामना कर रहा

(ख) कवि के अनुसार आज मनुष्य किस प्रकार का जीवन व्यतीत कर रहा
उत्तर-कवि के अनुसार आज स्वार्थ पूर्ण जीवन व्यतीत कर रहा है मतभेद वैमनस्य तथा शत्रुता से अपने जीवन को बिता रहा है,सुखों को लेकर उसका मन सदै अधिक से अधिक सुखों को पाने की चाह में दुनिया में सुख सम तथा ऐश्वर्य की खोज में भविष्य के लिए भी संचित करने की चाह से संघर्ष ,अशांत रहता है तथा उसका जीवन कभी भी सुखी नहीं रह

(ग) बताइए कि आपके विचार में जीवन का सच्चा सुख किस प्रकार मि
उत्तरजीवन में सच्चा सुख पाने के लिए इसके लिए हमें केवल अपने कर दूसरों के बारे में भी सोचना जीवन में सच्चा सुख तभी हो सकता है जब हम स्वार्थ में तथा लालच की दुर्भावना का त्याग करें,सबको संतुष्ट करें,सभी एक दूसरे भले के लिए अच्छे काम करते हैं,संतोष से मनुष्य में एक सामान्य आत्मसंतुष्टि मिलती भी है कमी भलाई एवं अपना जीवन उत्सर्ग कर सकते तो सच्चा सुख,परस्पर आत्म संतोष परस्पर प्रेम भा के साथ जीवन बिताने में ही है

(घ) कविता का नाम बताते हुए कवि का जीवन परिचय संक्षेप में लि
उत्तर-कविता का 'स्वर्ग बना सकते हैं'।इसके कवि श्री रामधारी सिंह 1908 में दिनकर जी का जन्म मुंगेर जिला में हुआ। अपनी कविताओं में शौर्य की भावनाओं का परिचय देते हुए उन्होंने

कालांतर में इन्होंने कई मासिक पत्रिकाओं के संपादन का कार्य भी किया। बाद में आप विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के कुलपति भी रहे। भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्म भूषण की उपाधि से भी सम्मानित किया गया। उनके प्रसिद्ध काव्य ग्रंथ उर्वशी पर उन्हें भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। उनकी रचनाओं में राष्ट्रीयता एवं भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। सन 1974 में उनका निधन हो गया।

EXTRA QUESTIONS-LESSON 3(SWARG BANA SAKTE HAIN)

(प्रश्न 1)'स्वर्ग बना सकते हैं' कविता का केंद्रीय भाव लिखिए। **उत्तर:** स्वर्ग बना सकते हैं कविता का यह अंश कवि श्री रामधारी सिंह दिनकर के कुरुक्षेत्र से लिया गया है। इसमें भीष्म पितामह द्वारा धर्मराज युधिष्ठिर को दिया गया उनका अंतिम उपदेश है। इस प्रकार के हितोपदेश देते हुए भीष्म पितामह युधिष्ठिर से कहते हैं कि धरती किसी की खरीदी हुई दासी नहीं है। इस पर समान अधिकार है। अतः प्रकृति प्रदत्त वस्तुओं की सभी लोगों को समान आवश्यकता है। अतः सहयोग की भावना से सभी को मिलजुलकर वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए। जब तक अनंत काल से चला आ रहा संघर्ष भी कम नहीं होगा। ऐसे में सभी के सहयोग से ही इस धरती को स्वर्ग बनाया जा सकता है।

(प्रश्न 2)कोलाहल तथा संघर्ष शब्दों का प्रयोग कवि ने किस संदर्भ में किया है?
उत्तर: कोलाहल का अर्थ है शोर और संघर्ष का अर्थ है लड़ाई झगड़ा। कवि ने कोलाहल शब्द का प्रयोग अशांत तनावपूर्ण वातावरण से उत्पन्न हंगामे से है। हम सब आपस में संघर्ष करते हैं। अपनी उन्नति पाने के लिए दूसरों को पीछे धकेल देना चाहते हैं। इसी अशांति को कवि ने कोलाहल कहा है तथा आपस में बढ़ रही शत्रुता के फलस्वरूप बढ़ते झगड़ों को संघर्ष नाम दिया है।

(प्रश्न 3)'सब हो सकते तुष्ट' का आशय स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: सब हो सकते तुष्ट का तात्पर्य है कि सभी लोग संतुष्ट हो सकते हैं। कवि के अनुसार सभी मानव परस्पर मिल बांटकर समान रूप से ईश्वर प्रदत्त वैभव के साधनों का उपभोग करें और संतुष्ट होकर सुखी जीवन भी बिता सकते हैं।

LESSON-4(WAHA JANMABHUMI MERI)

(प्रश्न 1)"गंगा, यमुना, सरयू, निर्मल, नदियां लहराती हैं निराली पग पग पर छवि छहर रही है ... स्वर्ण भूमि मेरी"।

क) उपर्युक्त पंक्तियों में किसके विषय में बात की जा रही है? कवि के शब्दों में वर्णन कीजिए।
उत्तर: उपर्युक्त पंक्तियों में कवि अपनी जन्मभूमि के विषय में बात कर रहे हैं। भारतवर्ष की धरती पर गंगा-यमुना जैसी अनेक पवित्र नदियां बहती हैं। यमुना, सरस्वती तथा गंगा का संगम त्रिवेणी (प्रयागराज) भी यहीं है। अथाह जल राशि कदम कदम पर सबका ध्यान आकर्षित करती है।

(ख) पुण्य भूमि तथा स्वर्ण भूमि शब्दों का आशय समझाते हुए बताइए कि यहां पर कवि ने किस संदर्भ में प्रयोग किया है?
उत्तर: 'पुण्यभूमि' का अर्थ है पवित्र भूमि तथा 'स्वर्ण भूमि' का अर्थ है सोने की धरती। कवि सोहनलाल द्विवेदी ने अपनी जन्मभूमि को पुण्य भूमि कहा है क्योंकि अपनी महानता के कारण यह किसी तीर्थ से कम नहीं है। स्वर्ण भूमि कहकर कवि यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि प्राकृतिक संपदा से भरपूर हमारा देश सोने की धरती कहलाने के योग्य है।

(ग) कविता का शीर्षक लिखिए तथा कवि का नाम बताइए। इस कविता के द्वारा कवि ने हमें क्या संदेश दिया है?
उत्तर: प्रस्तुत कविता वह जन्मभूमि मेरी प्रख्यात कवि श्री सोहनलाल द्विवेदी

है। इसके द्वारा कवि हमें संदेश देना चाहते हैं कि जिस देश में हमने जन्म लिया है वह माँ के समान आदरणीय एवं सम्मान के योग्य है क्योंकि प्राकृतिक फल-फूल, अनाज आदि देकर हमारा पोषण करती है। हम अपना संपूर्ण जीवन अंत में यही भूमि हमें अपने आप में समाहित कर लेती है। अतः हर एक भारत मान मर्यादा की रक्षा करनी चाहिए।

(घ) बताइए कि वर्तमान समय में यह कविता कहाँ तक सार्थक एवं उप

उत्तर- साहित्य की कोई भी विधा, उपन्यास, नाटक, कहानी या कविता युग युग तक हर समय के लिए होती है। इस कविता का महत्व आज के समय में और भी बढ़ जाता है क्योंकि है। इस बदलते परिवेश में बच्चों तथा युवाओं में देशप्रेम की भावना समाप्त होती जा रही है क्योंकि इन सब विषयों में उनकी कोई रुचि दिखाई नहीं देती है। है। प्राकृतिक सौंदर्य के प्रति भी बच्चों तथा युवाओं में आकर्षण नहीं है सबके लिए समय ही नहीं है। ऐसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए यु उनके मस्तिष्क में देशप्रेम उत्पन्न होगा।

EXTRA QUESTIONS-LESSON 4(WAHA JANMABHUMI MERI)

(प्रश्न1) मलय पवन से क्या तात्पर्य है? यह किस प्रकार प्रभावित करती है स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- मलय पवन से तात्पर्य है चंदन की भीनी भीनी सुगंध से युक्त श मलय पर्वत स्थित है। वहाँ पर चंदन के वृक्षों की अधिकता होती है। उन है। जब मलय पवन उत्तर की ओर वातावरण में बहती है तो हमारे शरी मन स्वस्थ एवं प्रसन्न हो जाता है।

(प्रश्न2) कवि किसे धर्म भूमि, कर्म भूमि कहकर संबोधित कर रहे हैं और क्यों

उत्तर- धर्म भूमि, कर्म भूमि कहकर कवि ने अपनी जन्मभूमि भारतवर्ष को संबोधित आश्रय मिला है। हमारा धर्म एवं हमारी संस्कृति सनातन है। भारत भू मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है। इसलिए इसे धर्म भूमि कहा गया है। इसलिए कहा गया है कि हमारे पुराणों तथा शास्त्रों में कर्म को प्रधान माना है। हमारी भूमि इस कर्म प्रधान संस्कृति का प्रतीक है और हमारे कर्म करने हमें कर्म करने का मौका भी देती है।

(प्रश्न3) 'बुद्ध भूमि' से कवि का क्या आशय है स्पष्ट कीजिए। **उत्तर-** बुद्ध भूमि से कवि का आशय हमारे देश को भगवान बुद्ध की भूमि से है। गौतम बुद्ध को बोधि वृक्ष (गया) के नीचे तपस्या करने के उपरांत ज्ञान प्राप्त हुआ था और वे बल्कि विश्व के अन्य देशों में भी उन्होंने अपने संदेश का प्रसार किया।

LESSON-5(MEGH AAYE)

(प्रश्न1) मेघ आए बड़े बन, ठन के संवर के
आगे आगे नाचती, गाती बयार चली
दरवाजे खिड़कियाँ खुलने लगी गली गली
पाहुन ज्यों आए हो, गाँव में शहर के
मेघ आए बड़े बन ठन के संवर के।।

(क) कवि ने मेघ के आगमन को किस रूप में प्रस्तुत किया है? उनका स्वागत किस प्रकार होता है

उत्तर- यहाँ मेघ ग्रामीण संस्कृति में दामाद के आने पर होने वाली प्र प्रयोग किया गया है। इस कविता में कवि ने मेघ के माध्यम से समाज में बादलों

उल्लास का वर्णन किया है। मेघ गाँव के किसी घर में आने वाले
दिखाई देते हैं तो उनके दिलों में उसी प्रकार उल्लास भर जाता है जिस प्रकार दामाद के आने से
प्रसन्नता की लहर दौड़ जाती है। जिस प्रकार पति के आने से प्रियतमा ने उनका स्वागत
आँसू बहाकर किया उसी प्रकार आसमान में बादलों को देखकर गाँव में ख

(प्रश्न-2) यहाँ किस बयार की ओर संकेत किया गया है? उसके आने पर नाचते-गाते हुए क्यों दिखाया गया है?

उत्तर: यहाँ वर्षा से पूर्व आने वाली ठंडी ठंडी हवा की ओर संकेत है। उसे नाचते-गाते हुए दिखाया गया है क्योंकि जिस प्रकार दामाद के आने पर गाँव की स्त्रियाँ खुशी से झूम उठती हैं उसी प्रकार
पूर्व से आने वाली शीतल हवा मेघ रूपी दामाद के आने की खुशखबरी
दिलों में उल्लास छा जाता है और वे नाच गाकर इस खुशी को प्रकट

(प्रश्न-3) गली गली के दरवाजे खिड़कियाँ खुलने का क्या कारण है? भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: गली गली के दरवाजे खिड़कियाँ खुलने का मुख्य कारण यह है कि
और लू से बचने के लिए लोगों ने अपने घरों के दरवाजे खिड़कियाँ बंद कर रखे हैं। ऐसे में वर्षा के पू
लोगों के दिलों को आनंद से भर देता है। लोग अपने घरों की
गर्मी से राहत मिल सके और आने वाले बादलों का स्वागत भी कर स

(प्रश्न-4) पाहुन ज्यों आए हों- पंक्ति में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: पाहुन ज्यों आए हों- पंक्ति में निहित भाव है गाँव के लोगों के ह
के लोग इतने आत्मीय भाव से आने वाले अतिथि का स्वागत करते हैं। मन प्रसन्नता
यदि कोई मेहमान या बहुत दिनों बाद आने वाला कोई अतिथि आता

EXTRA QUESTIONS-LESSON-5(MEGH AAYE)

1.धूल किसका प्रतीक है और उठाकर भागी क्यों? लिखिए।

उत्तर: जब बादलों के आने से पूर्व वातावरण में अत्यधिक सूखा होने
साथ मिली हुई उस धूल के गुब्बार को देखकर ऐसा लगता है जैसे
घाघरा (लहंगा) उठाकर अपने घर की ओर भागी चली जाती हो क्योंकि अनजान
ही बात नहीं करती हैं।

2.इस कविता का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर: प्रस्तुत कविता में कवि ने दिखाया है कि गाँव में बादलों का भी
भी उसी तरह स्वागत किया जाता है जैसे गाँव के दामाद का क्योंकि
करती है।

3.क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम- पंक्ति में किसने किससे क्षमा माँगी और क्यों?

उत्तर: क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम- पंक्ति में लता रूपी पत्नी ने बादल रूपी पति से
कविता है जिसमें बादल मेहमान का प्रतीक है तथा लता उसकी पत्नी का प्रतीक
यह सोचने लगी थी कि उसके पति नहीं आएँगे लेकिन बिजली कड़कड़ा कर तथा ठ
पति ने विश्वास दिलाया कि यह उसका भ्रम था। अब वह आ गया है।
लिए क्षमा माँगने लगी।

LESSON-6(SOOR KE PAD)

(प्रश्न-1) मैया, मैं तो चंद्र खिलौना लैहौं।।
धौरी को पय पान न करिहौं, बेनी सिर न गुहैहौं।
मोतिन माल न धरिहौं उर पर, झंगुली कंठ न लैहौं।

(क) कौन किससे क्या लेने? की जिद कर रहा है

उत्तर: प्रस्तुत पद में श्री कृष्ण की बाल सुलभ क्रियाओं का बहुत ही सुंदर
होती है कि वह किसी भी चीज को पाने की बिल्कुल जिद करने लगते हैं।
पाने की जिद कर रहे हैं वह उपलब्ध हो भी सकती है या नहीं। यहा
उसे पाने की जिद कर रहे हैं।

(ख) श्रीकृष्ण अपनी जीत किस प्रकार व्यक्त कर रहे हैं? लिखिए।

उत्तर: श्री कृष्ण अपनी माता से चांद रूपी खिलौना लेने की जिद कर रहे
उन्होंने उन्हें आसमान में सफ़ेद सफ़ेद चमकने वाला चांद रूपी खिलौना
के बालों की जो शिखा है उसे नहीं गुंथवाएंगे। गले में मोति
देंगे।

(ग) बच्चे की जिद पूरी करने में असमर्थ माँ क्या उपाय अपनाती है? बच्चे को बहलाने के लिए

उत्तर: यशोदा माता जब अपने कान्हा को अनोखी जिद करते हुए देखती है
कहती है कि वे उनके लिए चांद जैसी दुल्हन लेकर आएंगी। जब श्री
सुनते हैं तो वे खाना माँ से कहते हैं कि अभी तुरंत विवाह करने के लिए

(घ) अर्थ लिखिए।

धौ-सफ़ेद, पय-दूध, चौटी-चोटी, हद-द्वार, त्रत-तुरंत, सुत-पुत्र

EXTRA QUESTIONS-LESSON-6(SOOR KE PAD)

1.श्रीकृष्ण को मनाने के लिए माँ यशोदा ने क्या किया और क्यों?

उत्तर: श्री कृष्ण की जिद को देखते हुए माँ यशोदा बड़ी ही चतुराई से उसके
पाए। वह ऐसा इसलिए करती हैं कि कान्हा को लगे कि वह बलराम की

2.किसके नयन जल से भर जाते हैं और क्यों? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: भगवान श्रीकृष्ण के नयन जल से भर जाते हैं। झुककर खेलते हुए उनके बालों को खींचते हैं
हैं तो उन्हें पीड़ा होती है। इसके कारण उनकी आंखों में आंसू आ

3.करि करि सैन बतावै से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: माँ को ऐसा लगता है कि कृष्ण सो गए हैं। अतः लोरी गाना बंद कर देती
जिससे कान्हा की कच्ची नींद ना टूटे।